''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ''

JAYOTI VIDYAPEETH WOMEN'S UNIVERSITY, JAIPUR

Faculty of Education & Methodology

Department of Fine Arts

Faculty Name - JV'n Jayshree Singh Deo
(Assistant Professor)

Program - 1st Semester / Year

Course Name - Bachelor of Fine Arts

Session No. & Name - 2023-24

Academic Day starts with –

- Greeting with saying **'Namaste'** by joining Hands together following by 2-3 Minutes Happy session, Celebrating birthday of any student of respective class and **National Anthem**.

Lecture Starts with-

Review of previous Session-Definition of fine arts by Indian Scholars

- Topic to be discussed today- Today We will discuss about

Definition of art western thinker (Immenuel Kant)

- Lesson deliverance (ICT, Diagrams & Live Example)-
  - PPT (10 Slides)
  - Diagrams

Introduction & Brief Discussion about the Topic

इम्मानुएल कांत

इम्मानुएल कांत, 18वीं सदी के प्रभावशाली दार्शनिक, अपने काम "क्रिटिक ऑफ जजमेंट" (जिसे "तीसरी समीक्षा" भी कहा जाता है) में सौंदर्यशास्त्र और कला के दर्शन की चर्चा करते हैं। यह काम उनके बड़े दार्शनिक प्रणाली का हिस्सा है और सौंदर्य निर्णय, सुंदरता और कला की मानव अनुभव में भूमिका पर परिप्रेक्ष्य करता है।

कांत का कला के सिद्धांत का आधार उनके बड़े दार्शनिक प्रणाली में है, जिसमें उनके ज्ञानवाद (हम कैसे चीजें जानते हैं) और भौतिकवाद (वास्तविकता की प्रकृति) के विचार शामिल हैं। "जजमेंट क्रिटिक" में, उन्होंने "सौंदर्य निर्णय" की अवधारणा पेश की है, जो कोग्निटिव या नैतिक निर्णयों से अलग है। सौंदर्यिक निर्णयों में रुचि की बातों का समान्यिक रूप से अनुभव होता है और यह व्यक्तिगत सुख या असंतोष की भावना पर आधारित है। उन्होंने यह दावा किया है कि ये निर्णय विषयगत हैं लेकिन उनमें कुछ सामान्यता की भी गुणवत्ता होती है, क्योंकि वे कोनसे भी विचारों या नियमों पर आधारित नहीं होते हैं, लेकिन उनमें कुछ ऐसी सामान्यता होती है जो लोगों के बीच साझा की जा सकती है।

कांत के कला के सिद्धांत के मुख्य बिंदु:

1. **सौंदर्यिक निर्णय:** कांत दो प्रकार के सौंदर्यिक निर्णयों के बीच भिन्न करते हैं: सुंदरता के निर्णय और उत्कृष्टता के निर्णय। सुंदरता के निर्णय में कल्पना और बुद्धि के बीच सामंजस्यपूर्ण संबंध होता है, जिससे आनंद की भावना होती है। उत्कृष्टता के निर्णय में, हम किसी ऐसे चीज से सामना करते हैं जिसे हम पूरी तरह से समझने की क्षमता से बाहर है, जिससे डर और आकर्षण की मिश्रित भावना उत्पन्न होती है।

2. **उद्देश्य के बिना उद्देश्य:** कांत उद्देश्यशून्य उद्देश्य की विचारणा की अवधारणा पेश करते हैं ताकि सौंदर्यिक अनुभवों की प्रकृति की व्याख्या की जा सके। उनका कहना है कि कला के कार्य में हम आदर्श, व्यवस्था और सामंजस्यता की भावना को अनुभव करते हैं जो किसी विशिष्ट उपयोगी या ज्ञानिक उद्देश्य पर आधारित नहीं है। यह हमें कला का आनंद स्वयं के लिए स्वीकार करने की अनुमति देता है, किसी भी प्रायोजनिक कार्य की आवश्यकता को नहीं पूरा करने की आवश्यकता नहीं होती।

3. **कल्पना और बुद्धि के मुक्त खेल:** कांत अनुभवों में कल्पना और बुद्धि के बीच "मुक्त खेल" की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हैं। कला के संदर्भ में, कल्पना सेंसरी धारणाओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़ती है, जबकि बुद्धि संवादना की तरफ विचारशीलता और अर्थ की तलाश करती है। इन शक्तियों के बीच का खेल हमारे सौंदर्यिक आनंद में योगदान करता है।

4. **महानता और कलात्मक सृजन:** कांत कलात्मक सृजन की "महानता" की अवधारणा पर चर्चा करते हैं, जो मौलिक और उत्तम कला के कार्य उत्पन्न करने की स्वाभाविक क्षमता को सूचित करती है। महानता में एक अद्वितीय सृजनात्मक क्षमता होती है जो नियमों पर आधारित नहीं होती है लेकिन नई कलात्मक रूपों को एक प्रकार के प्रेरणा के माध्यम से उत्पन्न करती है। महानता कलाकार को मानव अनुभव के सार्वभौमिक पहलुओं में प्रवेश करने और उन्हें उनके साथी के साथ सहमत करने की क्षमता प्रदान करती है।

5. **सौंदर्य का आदर्श:** कांत का कला के सिद्धांत किसे "सौंदर्य का आदर्श" का संकेत है, जो वास्तविक अनुभवों से नहीं प्राप्त किया गया है बल्कि विचारशीलता की आदर्श है जो कल्पना की ओर प्रेरित करती है। सौंदर्य का आदर्श हमारे सौंदर्यिक निर्णयों को प्रेरित करता है और हमारी धारणा को मार्गदर्शन करता है कि क्या सौंदर्यपूर्ण वस्तुएँ हैं।

यह महत्वपूर्ण है कि कांत का सौंदर्य शास्त्र एक बड़े दार्शनिक प्रणाली का हिस्सा है, और उनके विचार कठिन और कभी-कभी व्याख्या करने में चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। उनका काम सौंदर्यशास्त्र, कला के दर्शन और सांस्कृतिक दर्शन में बाद की चर्चाओं पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है

Top of Form

- University Library Reference-

➢ …….

➢ …….. Journal

➢ Online Reference if Any.

- Suggestions to secure good marks to answer in exam-

➢ Explain answer with key point answers

- Questions to check understanding level of students-
- Small Discussion About Next Topic- Definition of Arts by western thinkers
- Academic Day ends with-

National song' Vande Mataram'